सवा लाख साल पुराने आभूषण

ऐसा लगता है कि सजने-संवरने का शौक बहुत पुराना है, कम से कम सवा लाख साल पुराना। क्रोएशिया के एक पुरातात्विक स्थल से कुछ चीज़ें मिली हैं जो संभवतः आभूषणों के रूप में इस्तेमाल की जाती थीं।

इन आभूषणों का विवरण कैन्सास विश्वविद्यालय के पुरामानव वैज्ञानिक डेविड फ्रेयर और साथियों ने *PLoS ONE* पत्रिका के 12 मार्च के अंक में प्रकाशित किया है। ये बाज़ के पंजों की हड्डियां हैं मगर इन पर उकेरने के निशानों को देखकर लगता है कि इनका उपयोग सजने-संवरने के लिए होता होगा।

दरअसल, बाज़ के इन 1,30,000 वर्ष पुराने पंजों की खोज एक सदी से भी पहले हुई थी। खोज एक भूगर्भ वैज्ञानिक ड्रागुटिन गोर्यानोविए ने क्रोएशिया में क्रापिना शहर के नज़दीक एक शैलाश्रय में की थी। शैलाश्रय में इन पंजों के अलावा पत्थर के औज़ार, निएंडर्थल हड्डियां और दांत भी मिले थे। गौरतलब है कि निएंडर्थल मानवों के पूर्वज माने जाते हैं। गोर्यानोविए ने इन वस्तुओं को पहचान के लिए अपने एक साथी को भेज दिया और बात आई-गई हो गई।

फ्रेयर ने ये वस्तुएं ज़ग्रीब स्थित क्रोएशिया प्राकृतिक संग्रहालय में 2014 में देखीं। पहली नज़र में ही वे समझ गए कि ये कितनी महत्वपूर्ण हैं। कारण यह था कि इससे पहले शिकारी पक्षियों के पंजे व पंख निएंडर्थल स्थलों से खोजे जा चुके थे और अनुमान लगाया गया था कि इनका उपयोग आभूषणों के रूप में किया जाता होगा। मगर काप्रिना की वस्तुएं उन सबसे पुरानी थीं, संभवतः निएंडर्थल स्थल से मिली सबसे पुरानी।

इन पंजों पर जो काटने के निशान थे वे शायद उस समय बने होंगे जब इन्हें पक्षी से अलग किया होगा मगर विशेषता यह थी कि इन निशानों को घिसकर चिकना किया गया था। इसके अलावा लगता था कि कई पंजे तो चमकाए भी गए थे। फ्रेयर के मुताबिक यह स्पष्ट प्रमाण है कि इनका उपयोग झुमकों के रूप में किया जाता होगा। कई मानव वैज्ञानिकों का मत रहा है कि ऐसे प्रतीकात्मक व्यवहार की संभावना सिर्फ आधुनिक मानव यानी *होमो सेपिएन्स* में ही है जो विभिन्न वस्तुओं का उपयोग किसी स्पष्ट व्यावहारिक उपयोग के अलावा भी करते हैं। मगर क्रोएशिया से प्राप्त ये वस्तुएं दर्शाती हैं कि मानवों के पूर्वज भी चीज़ों को उनकी प्रत्यक्ष उपयोगिता से आगे जाकर देखते और इस्तेमाल करते थे। ***(स्रोत फीचर्स)***